मां कर्मा देवी की शोभायात्रा निकाली

राजधानी में धूमधाम से मनाई 1010 वीं जयंती

भोपाल, 15 मार्च. साहू समाज की आराध्य देवी मां कर्मा देवी जी की 1010वीं जयंती भोपाल में धूमधाम से मनाई गई.

मध्य प्रदेश तैलिक साहू सभा के पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी विवेक साहू ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम लक्ष्मी नारायण मंदिर, साहू समाज में आयोजित किया गया. रविवार सुबह 9 बजे मां कर्मा देवी जी का पुष्प श्रृंगार एवं महाआरती संपन्न हुई, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू, महासचिव अनिल कुमार साहू 'अकेला', जिला अध्यक्ष रविंद्र साहू, घोड़ा निक्कास अध्यक्ष विजय साहू, महामंत्री जगदीश साहू (जेपी), नवयुवक मंडल अध्यक्ष राहुल साहू, महिला मंडल अध्यक्ष रेखा किशोर साहू सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे. इस दौरान युवाओं एवं महिलाओं ने भजन-कीर्तन किया. दोपहर 3 बजे मंदिर परिसर से शोभायात्रा निकाली गई, जो मंगलवारा, जैन मंदिर रोड, इतवारा, इलेक्ट्रॉनिक मार्केट, सराफा चौक, लखेरापुरा, भवानी चौक, सोमवारा, चौकी इमामबाड़ा और छोटे भैया कॉर्नर होते हुए पुन: मंदिर प्रांगण में आकर समाप्त हुई. शोभायात्रा में घोड़ा-बग्गी, दुलदुल घोड़ी, आकर्षक झांकियां थीं. शोभायात्रा के बाद मंदिर परिसर में समाज के प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान किया गया. साथ ही श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया. इसके अलावा छोला विश्राम घाट पर मां कर्मा देवी जी की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर आरती की गई.

बैरसिया में मनाई मां कर्मा देवी की जयंती

बैरसिया, 15 मार्च. साहू समाज की आराध्य मां कर्मा देवी की जयंती साहू समाज मंदिर में मनाई गई. बैरसिया साहू समाज संगठन के अध्यक्ष जितेंद्र साहू (डागा) ने बताया कि सुबह मां कर्मा देवी का पुष्प श्रृंगार, विशेष पूजा अर्चना, महाआरती की गई. इस दौरान शोभायात्रा चौपड़ बाजार से निकाली गई.

भारत भवन में आद्या समारोह कल से

भोपाल, 15 मार्च. भारत भवन में छह दिवसीय आद्या समारोह का शुभारंभ 17 मार्च मंगलवार से होगा. रंगमंडल प्रभाग द्वारा आयोजित इस सांस्कृतिक आयोजन में महिला निर्देशकों द्वारा निर्देशित नाटकों की प्रस्तुति दी जाएगी. कार्यक्रम प्रतिदिन शाम सात बजे से होगा. भारत भवन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेम शंकर शुक्ल ने बताया कि उद्घाटन दिवस 17 मार्च को विजयदान देथा की कथा पर आधारित नाटक दुविधा का मंचन सविता दाहिया के निर्देशन में लोकरंग नाट्य समिति द्वारा किया जाएगा. 18 मार्च को शरतचंद्र की रचना दर्प चूर्ण का मंचन भारती के निर्देशन में रंगदूत नाट्य समिति करेगी. 19 मार्च को जयवर्धन लिखित नाटक मध्यांतर को विभा श्रीवास्तव के निर्देशन में एकरंग सोश्यो कल्चरल सोसायटी प्रस्तुत करेगी.

थ्रोबाल में मप्र की पुरुष टीम उपविजेता

आंध्रप्रदेश के तिरुपति में हुई 34 वीं राष्ट्रीय फेडरेशन कप स्पर्धा

भोपाल, 15 मार्च. आंध्रप्रदेश थ्रोबाल एसोसिएशन द्वारा 13 से 15 मार्च तक तिरुपति में आयोजित 34 वीं राष्ट्रीय फेडरेशन कप थ्रोबाल प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की पुरुष टीम उपविजेता रही. अपने पहले मैच में मध्यप्रदेश ने गोवा को 15-6 एवं 15-5 से पराजित किया.

राजस्थान को 15-01 से तथा 15-02 से हराया. तमिलनाडु से संघर्षपूर्ण मैच में मप्र टीम 15-11 एवं 15-12 से विजयी रही. सेमीफाइनल में उड़ीसा को 15-10 एवं 15-08 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया. मप्र का मैच मेजबान आंध्रप्रदेश से हुआ. बहुत ही संघर्षपूर्ण मैच में मप्र ने आंध्रप्रदेश को 15-11 से पराजित किया. लेकिन दूसरे सेट में आंध्रप्रदेश ने मप्र को 15-08 से पराजित किया. निर्णायक सेट में एक-एक अंक के लिए संघर्ष होता रहा. अंत में आंध्रप्रदेश ने मप्र को 15-13 से हराते हुए विजेता होने का गौरव प्राप्त किया. मप्र उपविजेता रहा. मप्र टीम की इस उपलब्धि पर नवभारत के प्रबंध संपादक सुमीत माहेश्वरी, अनिवाश बुरबुरे, हेमंत कपूर, सुरेश चैनानी, जोइस थामस, संतोष वर्मा आदि ने बधाई दी. मप्र की ओर से खेलते हुए कमल कुशवाहा, पवन तिवारी, चन्द्रकांत हरडे, आकाश तायड़े, विवेक कुशवाहा, मिथुन वर्मा, करण मालवीय का खेल श्रेष्ठ एवं शानदार रहा.

एक नजर में

सेवा सदन के नये भवन में उपचार आज से

भोपाल, 15 मार्च. सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के नवनिर्मित भवन में नेत्र रोगों की जांच और उपचार का सामान्य कामकाज सोमवार 16 मार्च से शुरू हो जाएगा. यह भवन आसाराम बापू तिराहा, एयरपोर्ट रोड गांधीनगर, भोपाल में बनाया गया है. पांच एकड़ के विशाल भूखण्ड में 1.31 लाख फुट में निर्मित यह चार मंजिला भवन सेन्ट्रलाइज्ड एयर कंडीशन्ड है. भवन में नौ मॉड्यूलर ऑपरेशन और सेप्टिक रोगियों तथा लेसिक सर्जरी के लिये एक-एक पृथक ऑपरेशन थियेटर्स बनाए गए हैं. अस्पताल में महिला और पुरुषों के लिये अलग-अलग वार्ड्स निर्मित किये गये हैं. नवनिर्मित भवन में एक साथ 175 रोगियों को भर्ती कर इलाज किया जा सकेगा. नवनिर्मित भवन में विशाल पार्किंग भी बनायी गयी है, जिसमें एक साथ 500 से अधिक गाड़ियां पार्क की जा सकेंगी.

सम्मेलन में युवक-युवतियों ने दिया परिचय

भोपाल, 15 मार्च. मध्यप्रदेश मांझी कीर आदिवासी, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं उत्थान समिति द्वारा रेलवे इंस्टीट्यूट में रविवार को युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया, सम्मेलन में मंच से अपना परिचय देती हुईं युवतियां.

पेंशनरों ने खेली फूलों की होली

भोपाल, 15 मार्च. पेंशनर एसोसिएशन की जिला शाखा भोपाल ने शिवाजी नगर में होली मिलन का आयोजन सुरेश शर्मा की अध्यक्षता में किया. इसमें बड़ी संख्या में पेंशनर उपस्थित हुए. एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी एवं प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. रंगारंग आयोजन में पेंशनरों ने फूलों से होली खेली और गीत संगीत के साथ सुंदर नृत्य की भी प्रस्तुति दी. एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने हाल ही में पेंशनरों के हित में लिए गए दो महत्वपूर्ण फैसलों यथा अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता पुत्री को आजीवन पारिवारिक पेंशन एवं केसलेश चिकित्सा के लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया. कार्यक्रम को सचिव आरजी माथुर, यशवंत सिंह बेस सहित कई पदाधिकारियों ने संबोधित किया. संचालन प्रांतीय उपाध्यक्ष संतोष ठाकुर ने किया.

ब्राह्मण समाज की 101 नारी शक्तियों का सम्मान

भोपाल, 15 मार्च. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज महिला मोर्चा, मध्य प्रदेश द्वारा अवधपुरी स्थित रीगल होम्स ऑडिटोरियम हॉल में समाज की 101 नारी शक्तियों को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम की आयोजक एवं प्रदेश अध्यक्ष सावित्री तिवारी ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं के योगदान को पहचान देना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है. समारोह में छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं. इस अवसर पर सम्मानित महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया.

लोकनृत्यों से सजा जनजातीय संग्रहालय

कबीर के पदों से भक्ति रस से भरा माहौल

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 15 मार्च. ढपला और टिमकी की लय के साथ रविवार को जैसे ही मंच पर बधाई नृत्य की शुरुआत हुई तो मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय का वातावरण लोक रंगों से भर उठा. कलाकारों ने दर्शकों को बांधे रखा.

रविवार को आयोजित संभावना गतिविधि में रीवा की रीति पाण्डे और साथियों ने बघेली लोकगीत निमिया के पेड़ बड़ा भारी, लक्ष्मण लिहे बांण, रामा महुआ विनय हम ना और बन बोले मोर जैसे गीतों की प्रस्तुति दी.

वहीं शाजापुर के रामबाबू मालवीय और उनके साथियों ने कबीर के पदों को स्वर देकर वातावरण को भक्ति रस से भर दिया.

सम्मेलन में शामिल हुए डीजीपी मकवाणा

विशेष संवाददाता

भोपाल, 15 मार्च. सेवानिवृत्त राजपत्रित पुलिस अधिकारी संगठन, इंदौर का वार्षिक सम्मेलन 15 मार्च को इंदौर स्थित पुलिस ऑफिसर्स मेस में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. उल्लेखनीय है कि लगभग छह वर्षों के बाद किसी कार्यरत डीजीपी ने इस सम्मेलन में भाग लिया. इससे पहले तत्कालीन पुलिस महानिदेशक वी.के. सिंह कार्यक्रम में शामिल हुए थे.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस महानिदेशक मकवाणा ने मध्यप्रदेश पुलिस की विभिन्न उपलब्धियों का उल्लेख किया तथा आगामी समय में पुलिस की कार्ययोजना की जानकारी भी साझा की. उन्होंने अपने पूर्व कार्यकाल को याद करते हुए, जब वे दंतेवाड़ा और बस्तर में पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थ थे, उस दौरान भिलाई जोन के आईजी रहे एस.के. दास की कार्यशैली की सराहना की. सम्मेलन के दौरान डीजीपी ने पूर्व पुलिस महानिदेशक एन.के. त्रिपाठी सहित वर्ष 2025 में 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले कई सेवानिवृत्त अधिकारियों को सम्मानित किया.

संगठन के अध्यक्ष अनिल कुमार ने नक्सल समस्या के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए डीजीपी को बधाई दी. उपाध्यक्ष मदन राने ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के लिए सीजीएचएस सुविधाओं के विस्तार की मांग की. अंत में डी.एस. सेंगर ने आभार व्यक्त किया.

रीवा बनी चैंपियन ग्वालियर को 60 रन से हराया

भोपाल, 15 मार्च. जे.एन. भाया ट्रॉफी सीनियर मेंस टी-20 के फाइनल मुकाबले में रीवा ने ग्वालियर को 60 रन से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रीवा ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 244 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. लक्ष्य का पीछा करने उतरी ग्वालियर की टीम 19.2 ओवर में 184 रन पर सिमट गई. टूर्नामेंट के समापन पर मुख्य अतिथि ध्रुव नारायण सिंह अध्यक्ष भोपाल संभाग क्रिकेट संघ ने एमपीसीए ऑब्जर्वर नितिन श्रीवास्तव, सेज ग्रुप के एमडी करण खुराना और बीडीसीए के मानद सचिव शांति कुमार जैन की उपस्थिति में खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया. विशेष अतिथि के रूप में बीडीसीए कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर धाकड़ आदि उपस्थित थे.

सुन जा दिल की दास्तां में सुरों से मुग्ध हुए दर्शक

रवीन्द्र भवन का हंसध्वनी सभागार बंगाली सुरों से सजा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 15 मार्च. जिंदगी कैसी है पहेली हाए, वो शाम कुछ अजीब थी, जरा नजरों से कह दो जी निशाना चूक न जाए, जैसे ही ये मशहूर गीत रवींद्र भवन के हंसध्वनी सभागार में गूंजा तो दर्शक किशोर कुमार, लता मंगेशकर, आशा भोसले के उस दौर में खो से गए मानों उनकी आवाज एक बार फिर उनके गानों से जीवंत हो उठी हो.

5 कलाकारों ने दी 30 गीतों की प्रस्तुति

करीब 30 गीतों से सजे इस संगीतमय कार्यक्रम में कुल 5 प्रमुख गायकों ने अपनी प्रस्तुति दी जिनमें सुरोजीत गुहा, राणा चटर्जी, रसिका गानू, मनीषा आवचेतन और प्रशांत नासेरी शामिल रहे .कलाकारों ने अलग अलग दौर के बंगाली संगीतकारों और गायकों को समर्पित गीतों के जरिए एक सुरीली शाम रच दी.

अवसर था सुर सिंगार सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संस्था द्वारा आयोजित सुरीला बंगाल कार्यक्रम का, जिसमें बंगाल के संगीतकारों, गायकों को समर्पित सुन जा दिल की दास्तां के जरिए पुराने दौर के मधुर गीतों से शाम को यादगार बना दिया. कार्यक्रम की शुरुआत जिंदगी कैसी है पहेली हाए, राणा चटर्जी और कोरस से शुरू हुई. गीता दत्त के गीत मनीषा आवचेतन ने गाया. हेमंत कुमार का सदाबहार गीत ये रात ये चांदनी सुरोजीत गुहा ने गाकर श्रोताओं को पुराने दौर की यादों में डूबा दिया.

दवाओं के दुष्प्रभाव को समय पर बताएं

भोपाल, 15 मार्च. एम्स भोपाल के औषधि विज्ञान विभाग ने रायसेन जिले के सांची स्थित सिविल अस्पताल में कार्यक्रम आयोजित किया. इसमें लोगों को दवाओं के संभावित दुष्प्रभाव और चिकित्सा उपकरणों के सुरक्षित उपयोग के बारे में जानकारी दी गई. विशेषज्ञों ने बताया किदवाओं के सेवन के बाद शरीर में कुछ प्रतिकूल प्रभाव दिखाई देते हैं जिन्हें एडवर्स ड्रग रिएक्शन कहा जाता है. यदि इन लक्षणों की जानकारी समय पर संबंधित संस्थाओं तक पहुंचा दी जाए तो समस्या से बचाव जा सकता है.

मानस भवन में अंतर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन का समापन

भोपाल, 15 मार्च. मानस भवन में दो दिवसीय चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन का समापन रविवार को हुआ. दीपप्रज्जवल के साथ अकादमिक सत्रों की शुरूआत की. जिसमें अध्यक्षता अशोक धमेनिया, डॉ.मालती जोशी, विकास दवे, निदेशक साहित्य अकादमी, डॉ.प्रभुदयाल मिश्र, गोकुल सोनी, डॉ.सुरेश पटवा ने की.

समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कप्तान सिंह सोलंकी एवं विशिष्ट अतिथि कलेक्टर भोपाल कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, थे. मुख्य अतिथि सोलंकी ने कहा कि रामचरितमानस जीवन का संविधान है. तथा वह मानव मात्र के सफल जीवन के लिये सूत्र देता है. कलेक्टर सिंह ने कहा कि भगवान श्रीराम आनंद के स्त्रोत हैं और उनकी भक्ति से ही चेतना का स्तर जाग्रत होता है. बिना राम के अयोध्या का कोई अस्तित्व नहीं है और यह अयोध्या हम सबके के हृदय में भी हैं. विशिष्ट अतिथि डॉ. पुनीत विसारिया अधिष्ठाता कला संकाय बुन्देलखंड ने कहा कि सत्संग के बिना विवेक नहीं होता है. हम सबको ऐसे आयोजन से ज्ञान, भक्ति और वैराग्य का बोध होता है. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के द्वारा रामेश्वर पाटीदार जिला खरगोन की कृति श्रीकृष्णचरितमानस महाकाव्य के लिये सम्मानित किया.

श्रेष्ठ शोध पत्र पढ़ने वाले वक्ताओं को पुरस्कृत किया गया. मनोज श्रीवास्तव ने सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा कि श्रीराम तो समरस है ही बस हमें उनका चरित्र आचरण में उतार कर समरस होने की आवश्यकता है. कार्यक्रम को रघुनंदन शर्मा ने भी संबोधित किया. आभार संस्था के सचिव कैलाश जोशी, कार्यकम का संचालन देवेन्द्र रावत द्वारा किया गया.

विधायक सबनानी ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

भोपाल, 15 मार्च. दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 25 की जीआरपी कॉलोनी में रविवार को क्षेत्रीय विधायक भगवानदास सबनानी ने विकास कार्यों भूमिपूजन किया.

शिव मंदिर परिसर में भूमिपूजन के अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी कहा कि क्षेत्र के रहवासियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण एवं आवश्यक विकास कार्य आज से प्रारंभ हो रहे हैं. परिसर की साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं का ध्यान रखने की जवाबदारी आप सभी रहवासियों की ह. इस कार्य के हो जाने के बाद सभी के लिए एक सुंदर वातावरण निर्मित होगा जिसका लाभ रहवासियों को मिलेगा. उन्होंने कहा कि हमारे विधानसभा क्षेत्र में अनेकों विकास कार्य किया जा रहे है. सभी विकास कार्यों को समय अवधि में पूरा करने के निर्देश दिए गए है. भविष्य में कई बड़ी योजनाओं का लाभ भी क्षेत्र के रहवासियों को मिलेगा, जिससे हमारे विधानसभा क्षेत्र की एक नई पहचान स्थापित होगी.

भूमिपूजन के अवसर पर पार्षद जगदीश यादव, जिला महामंत्री मुकेश राय, विधानसभा प्रभारी राजू अनेजा, मंडल अध्यक्ष पारस नरवरिया, दिनेश पांडे, गुड्डु शुक्ला, प्रिया श्रीवास्तव, दीपा सिंह, अनीता श्रीवास, प्रतिभा मलिक, करुणा सिंह, प्रियंका, अनुराग नामदेव, भेरूलाल बघेल, अभिषेक सैनी, राधेश्याम पालीवाल राजकुमार रजक सहित पुलिस परिवार के प्रमुख उपस्थित रहे.

रंगमंच | नाटक चौथी सिगरेट ने दिखाई असंतुष्ट जीवन की सच्चाई

हर हार के पीछे छिपी होती है एक जीत

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 15 मार्च. मंच पर रोशनी पड़ी और एक लेखक का बेचैन सवाल गूंजा कि क्या मेरी बात सचमुच लोगों तक पहुंचेगी. इसी प्रभावी दृश्य के साथ नाटक चौथी सिगरेट का मंचन शुरू हुआ और कुछ ही क्षणों में दर्शक कहानी की गहराई में उतरते चले गए.रविवार शाम लिटिल बैले ट्रूप के मंच पर भोपाल थिएटर्स की इस प्रस्तुति ने साहित्य और समाज के रिश्ते पर गंभीर सवाल खड़े किए.

नाटक की कथा एक लेखक की उस बेचैनी के इर्द गिर्द घूमती है जो चाहता है कि उसकी लिखी हुई बात पाठकों तक पहुंचे और

उस पर खुलकर चर्चा हो.लेकिन रचना पाठकों तक पहुंचने से पहले जिस व्यवस्था और तंत्र से गुजरती है वही कई बार सच्चे विचारों के रास्ते में बाधा बन जाता है.नाटक की कथा समाज में लेखकों की रचनाओं सहित प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में फैले सामाजिक असंतोषजनक तंत्र को भी उजागर कर गयी, कि कैसे एक लेखक अपनी बेशकीमती रचनाओं को विशाल तंत्र में बिना पैसों के नहीं उतार पाया.नाटक के माध्यम से मंच पर यही संघर्ष और विडंबना प्रभावी ढंग से राजीव वर्मा के निर्देशन और कलाकार की भूमिका के साथ रीता वर्मा, प्रवीण महुदाले, महुआ चटर्जी, सुनील सबरेना, वर्षा मिश्रा और सुमजा आर्य पांडे ने सामने रखी.

राजीव वर्मा ने नाटक को बड़ी सादगी और गहराई के साथ मंच पर उतारा .उनके निर्देशन में संवादों की तीक्ष्णता और दृश्य की संवेदनशीलता दोनों एक साथ दिखाई दीं .कलाकारों का अभिनय भी पूरे समय कहानी की गंभीरता को संभाले रहा .वहीं रीता वर्मा सहित सभी कलाकारों ने अपने पात्रों को सहज और विश्वसनीय बनाया. नाटक के मध्य में कई बार कलाकारों के संवाद दर्शकों को मुस्कुराने पर मजबूर करते हैं तो कई क्षण ऐसे भी आते हैं जब दर्शक गहरे विचार में डूब जाते हैं .वहीं नाटक के मध्य में नाटक के पात्र लेखक द्वारा अपनी रचनाओं को अपने दोस्त को बेचने के बाद जब उसकी किताब दोष के नाम से छपकर 10 लाख के चेक के स्टेज घर आती है तो वह खुद को आर्थिक तंगी से सम्हलने को ढांढस देते हुए कहता है कि हर हार में एक जीत छिपी होती है और आज मैं हारकर भी जीत चुका हूं.

लायंस क्लब की कॉन्फ्रेंस में पदाधिकारियों का किया सम्मान

भोपाल, 15 मार्च. लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी 2 के रीजन 5 की रीजन कॉन्फ्रेंस रश्मि का आयोजन एक होटल में किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में उज्जैन से पधारे डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन प्रवीण वशिष्ठ, मुख्य वक्ता के रूप में पुणे से पधारे एमजेएफ लायन द्वारका जालान एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पिपरिया से पधारे मल्टीपल काउंसिल चेयरपर्सन पीएमजेएफ लायन मनीष शाह एवं भोपाल से प्रथम वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन महेश मालवीय विशेष रूप से उपस्थित थे. रीजन के सभी क्लब के अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष जोन चेयरपर्सन एवं अन्य पदाधिकारियों को रीजन अवार्ड से सम्मानित किया गया.

संघ साहित्य से सीखिये जीवन जीने की कला

संघ साहित्य पर परिचर्चा में साहित्यकार रमेश व्यास ने कहा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 15 मार्च . जीवन जीने की कला सीखनी हो तो संघ साहित्य को गहराई से पढ़ना चाहिए. संगठन व्यक्ति को अहम से वयम् की यात्रा सिखाता है. यह विचार वरिष्ठ साहित्यकार रमेश व्यास शास्त्री ने विश्व संवाद केंद्र शिवाजी नगर में आयोजित संघ साहित्य पर परिचर्चा के दौरान व्यक्त किए.

अखिल भारतीय साहित्य परिषद भोपाल इकाई के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में साहित्य और राष्ट्रचेतना से जुड़े विभिन्न आयामों पर गंभीर चर्चा हुई.यह गोष्ठी कीर्तिशेष साहित्यकार

फणीश्वरनाथ रेणु की स्मृति को समर्पित रही. मुख्य अतिथि रमेश व्यास शास्त्री ने ज्योति जला निज प्राण की पुस्तक का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कृति संघ के कार्यकर्ता के तपस्वी जीवन का सजीव चित्र प्रस्तुत करती है.

उन्होंने कहा कि संघ साहित्य केवल विचार नहीं बल्कि जीवन मूल्यों की साधना का मार्ग भी दिखाता है.वहीं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. नीलिमा रंजन ने व्यास महाभारत में द्रौपदी कृति पर विचार रखते हुए कहा कि द्रौपदी साहस ओज और समर्पण की प्रतिमूर्ति हैं.उन्होंने कहा कि यह कृति नारी अस्मिता के उस स्वर को सामने लाती है जो संघर्ष और आत्मगौरव से भरा हुआ है.